

Headline

- MS Dhoni w: डोनाल्ड ट्रंप के मेहमान बने गोली। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति ने माही के साथ खेला गोलफ
- G20: शिरकर समग्रेलान से विदेश नीति को धार देने की तैयारी। इन नेताओं के साथ 15 दिपक्षीय बैठकें करेंगे पीएम गोदी

सांध्य दैनिक

*NewsPaper*NewsPortal*NewsChannel

डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

सतर्क हों-सजग हों अभियान

www.dgr.co.in | www.detectivegroupreport.com

वर्ष : 9 अंक : 63

इंदौर, शुक्रवार 08 सिंतेबर, 2023

पेज : 8, गुह्य : 2 रुपये

स्वामीनारायण संगठन का दुष्प्रचार..

घनश्याम पांडे की सेवा में... विष्णु, महेश, ब्रह्मा तथा अन्य देवी देवता...?

कपटी लोगों द्वारा निज स्वार्थसाधन हेतु सनातन पर सीधा प्रहार!
धर्मप्रेमी जनमानस में भ्रम फैलाने का कुत्सित प्रयास!



पुर्णेन्दु पुरी

editor@dgr.co.in

स्वामीनारायण संगठन और उनके अनुयायियों द्वारा कथित घनश्याम पांडे को देशावतार के रूप में दिखाई जा रहा है... कहीं पर भगवान कृष्ण, राम, शिव, ब्रह्मा, विष्णु या अन्य सभी भगवानों को घनश्याम पांडे के द्वारापाल और उनकी सेवा में प्रदर्शित किया जा रहा है... जो दुष्प्रचार है, घोर निंदनीय भी है साथ ही सनातन धर्म

के मानने वाले लोगों के लिए अपमान जैसा है... घनश्याम पांडे के अनुयायी उन्हें भगवान बता रहे हैं... जो कि सरासर गलत है...ऐसे कई पुस्तकों/चित्रों द्वारा घनश्याम पांडे के अनुयायियों का यह दुष्प्रयास है कि हमारे देवी देवता सनातन धर्म के रक्षक घनश्याम पांडे से कमतर हैं... उन्होंने घनश्याम पांडे की सेवा में... राम, कृष्ण, शिव, हनुमान, विष्णु, महेश, ब्रह्मा तथा अन्य देवी देवताओं को बताया है... !



विस्तृत पेज 3 पर पढ़िए

संपादकीय

दम दिखाने का सौका

डिविटर को बाती खेलों के मुकाबले ज्यादा अनिवार्यताओं का खेल बहुत जाता है। इसके बाहरून् डिविटर खेलों वाले सभी देशों की टीमें इसमें अपनी अधिकारी हृदय तक जीत की कोशिश करती हैं। खालीन पर अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में जीत हासिल करना किसी भी टीम का सम्पन्न होता है। लेकिन इसमें बाज़ी वही सभी तरह चुनौतियों का सटीक अंदरांता लगा जाता है। विश्वकप प्रतियोगिताओं में भारतीय डिविटर टीम ने अपनी अचूक बाबूई है और दुनिया की मजबूत टीमों में शुभार्थी की जाती है। हालांकि अनेक खेलों पर विश्वकप के मैचों में टीम को अपेक्षित कामयादी होती है उसमें किंतु दूसरा यह मैदान के हालात पर निर्भर है कि उसमें किंतु दूसरा यह मैदान का भी बोनी मिलता। अपनी भावून् स्विति और छाव की बनाए रखने के लिए भारत की ओर से हर कोशिश की जाती है और इसी की महेंजोर रुक्धी हुए टीम का भी बनाना किया जाता है। यो मैदान में प्रदर्शन से ही किसी की वास्तविक क्षमता का पता वह पाता है, लेकिन विश्वकप जैसी प्रतियोगिताएं के लिए दुनिया एवं विश्वकप की टीम को आमतौर पर अनुभव और कूर्जी की कसीटी पर आंख जाती है। इसी लिये जून से देखें तो विश्वकप प्रतियोगिताएं के लिए मानवतावर की जिस भारतीय टीम की धोखाएँ की गईं, उसमें दुनिया गण विश्वाडियों के समीकरण को बनाने में सभी योगी को साक्षण की क्षमतावाद करवा जा सकता है। कठवानी रोहित शर्मा के बास दर्हनी और टीम को उत्कलान वालिक पांडव होंगे। टीम में दृढ़ खिलाड़ियों को दुनिया गया है, लेकिन इसमें तीन को हफ्फामोला कहा जा सकता है, बार गेंदबाज और सास कबलेलबाज हैं। इस प्रतियोगिताएं में भारत के सामने यों मुश्वर चुनौतियों को देखने की अपीलीय और बेतव जरने की उम्मीद जारी है। उसके भूतावधि दुनिया एवं गोराई के बैरेत जाहाज के तीर पर देखा जा रहा है। दृष्टिसंलग्न, पिछले एक दो सालों के द्विराम अंग्रेज-अमेरिका प्रतियोगिताएं को लेकर आशाकानी की हुई थी, जिनका अनुभव टीम के हेतुर प्रदर्शन के लिए जल्दी माना जारा था, लेकिन सामने खाली चुनौतियों में। अपने कौपी की उम्मीद जारी है। उसके भूतावधि दुनिया के एक मजबूत संघें के तीर पर देखा जा रहा था, लेकिन घोट और आपरेंटन के बावजूद यह मौजीने से अंतर्राष्ट्रीय में नहीं खोल सके थे। अब उनके खाली होने से टीम में एक बड़ी कमी पूरी होने की उम्मीद हुई है। किंतु श्रेष्ठ अंतर्यामी और जरूरत बुराहन में भी बोत से ऊपर कर टीम में बाहरी की है।

अर्क
किया है।

मेरे कार-ए-विंडो था
तो करना पड़ा मुझे
खुद को स्मरेने में
बिचरना पड़ा मुझे

-अनोदर इमाम

महिला लगत

चंद्रयान-3 का लैंडर बनाने वाली सुप्रिया ऐसे बनीं वैज्ञानिक

जानें इनके संबंध की कहानी



चंद्र एवं पहुंचकर भारत दुनिया में रस्स, अमेरिका व चीन के बाद याथ देश बन गया। वहीं, चंद्र के साउथ पील पर सैंकेट लैंडिंग करने वाला पहला देश बना है। कामबाजी के इस जगत में आज भी भारत दूसरा रहा है। भारत इसे बनाने वाली टीम को भी सततम कहता है। वहीं, इस अमेरिकन को सफल बनाने में सुप्रिया वर्मा का अहम योगदान रहा है। दरअसल, सुप्रिया वर्मा चंद्रयान-3 के लैंडर को बनाने वाली टीम का दिस्त्री रही है। वह लगभग 15 सालों से दूसरों में वैज्ञानिक है। यहाँ सुप्रिया वर्मा रीसियर व साईटिटर के पद पर कार्यरत है। सामाजिक और तकनीकी विकास के लिए जिस प्रकार से सुप्रिया वर्मा जैसी अन्य महिलाएं लगानी भैननत कर रही हैं, दूसरों पास बताता है कि भारत का भविष्य और भी उत्तम होने वाला है। आइए सुप्रिया वर्मा के बारे में विवरत से जान लेते हैं।

◆ सुप्रिया वर्मा का परिवार

मुख्य रूप से सुप्रिया वर्मा जैसी की बेटी है। वह सिम्पावारी गांव की विद्या पालित छात्रों की हानि करती है। सुप्रिया वर्मा के पिता का नाम विजयराम है। वह आमों से रिटायर्मेंट विवरण होने के बावजूद व्यापक में मोहर लगानी नोटों कर रहे थे। अब वे दूसरी दुनिया में जाते हैं। उनकी माँ अंतिम जीवन विवरण लिख रही है। सुप्रिया वर्मा के बाबू भाई भी है निवासना नाम सर्वियर वर्मा हैं। वह वीएसएस में जीव करते हैं।

◆ याहां से की पढ़ाई

सुप्रिया वर्मा वर्षाना से से ही डिविटिंग वर्षाना चलती थी। उन्होंने कठमूरु से बैचैट की। इसके बावजूद वर्षाना ने विवरण से एमटेक की पढ़ाई को अप्रतिष्ठित किया। इसके बावजूद राजस्वालय के बाबू नियमिती वर्षाना वर्ष से राशी से ही उठाए जाने वाली सिंगारा मेनेजमेंट यूनिवर्सिटी में सलालकान के पद पर कार्यरत है।

◆ ऐसे लागी नौकरी

सुप्रिया वर्मा ने अपनी पांच दूसरी करने के बाद इसरों में चांस किल किया था। उन्हें उम्मीद नहीं थी, उनका दूसरा में सिलेजनान हो जाएगा। इसके बावजूद वर्षाना जीव दूसरे लैटर मिला। उल्लिङ्क उन्हें लैटर के बाबू में उठाए जानी चाहिए। कामकाज उन्हें लगाने वाला था कि सुप्रिया इसी के लिए योग्य नहीं लगती। एक दिन वाज उड़ने के बाबू जाने तो वह दूसरे दिन इसके बाबू में उठाए जाना चाहिए। वह सुप्रिया का सिलेजनान हो गया। इसके बाबू नहीं होंगे एवं जीव करती है।

◆ चंद्रयान-3 टीम का भी हिस्सा रही सुप्रिया

अपनों बाबा दू, सुप्रिया चंद्रयान-3 टीम का भी हिस्सा हो गए और चंद्रयान-3 के लैंडर के एक मजबूत बनाने में सुप्रिया का सहायता रहा है। चंद्रयान-3 के लैंडर पर यह दूसरा हो, लाला जवाहर सिनेट बहुत भारी थी। बाबा-बाबा योंगे दूसरे थे। वहीं सुप्रिया वर्मा दूसरे थी। एक दिन जब उन्हें जीव करने का एक्जामिन फल दिया गया। वह खुशी से झुक डर्ही। वे बाबा-बाबी योंगे दूसरे थे।

Highlights

I. I am more optimistic than worried about India's future: Ex-PM Manmohan Singh

2. Spain's President Pedro Sánchez tests COVID-19 positive, to skip G20 Summit

3. Hindu temple wall painted with 'Punjab is not India' graffiti in Canada; pic surfaces

4. Constitution gives respect to Sanatana, can't eradicate it: BJP MP

Rupee falls 9 paise to settle at all-time low of 83.22 against US dollar

NEW DELHI, (Agency).

The rupee depreciated for the fourth straight day and settled 9 paise lower at its lifetime low of 83.22 (provisional) against the US dollar on Thursday amid a firm American currency and elevated crude oil prices.

Positive trend in the domestic equity markets, however, provided a cushion to the rupee, according to forex traders.

Crude oil breached the USD 90 per barrel-mark after oil producing countries agreed to extend supply cut till December this year while dollar stayed firm on safe-haven demand.

At the interbank foreign exchange, the domestic unit opened at 83.15 against the dollar and traded in the range of 83.12 to 83.22 against the greenback. It ended at the lowest level of 83.22 (provisional) against the dollar, registering a fall of 9 paise from its previous close.

On Wednesday, the rupee settled 9 paise lower at 83.13 against the dollar. Earlier, the Indian currency



had closed at the same level of 83.13 on August 21.

The domestic unit has declined 60 paise since Monday when it had closed 9 paise lower at 82.71 against the greenback. On Tuesday, the unit had plunged 33 paise, the sharpest fall this week. "We expect rupee to trade with a negative bias on strong dollar and elevated crude oil prices. Disappointing European data may further support dollar. Rising US treasury yields and concerns over global economic growth may also weigh on rupee," Anuj Choudhary - Research Analyst at Sharekhan by BNP Paribas, said.

Meanwhile, the dollar

index, which gauges the greenback's strength against a basket of six currencies, rose by 0.09 per cent to 104.95.

Brent crude futures, the global oil benchmark, was trading 0.39 per cent lower at USD 90.25 per barrel.

On the domestic equity market front, the BSE Sensex closed 385.04 points or 0.58 per cent higher at 66,265.56 points while the broader Nifty jumped 116 points or 0.59 per cent to end at 19,727.05 points.

Foreign Institutional Investors (FIIs) were net sellers in the capital market on Wednesday as they offloaded shares worth ₹3,245.86 crore, according to exchange data.

US investors question India's proposed e-commerce policy

NEW DELHI, (Agency). NEW DELHI: American investors find India's proposed e-commerce policy restrictive, vague and open-ended in the form it was discussed with stakeholders on August 2, and the US may raise this issue with India, three people aware of the development said. The government is all set to unveil the e-commerce policy after completing consultation with stakeholders but companies have said they aren't still clear about the fine print of the proposed policy and that only seven salient features of the expected policy were discussed with them during



the presentation on August 2, the three added on condition of anonymity. The seven points were: making e-commerce policy congruent with the consumer protection rules; unambiguous demarcation between the marketplace model (where foreign investment is allowed) and the inventory model (where foreign direct investment is prohibited); inclu-

sive growth of micro, small and medium enterprises (MSMEs); exports promotion through ecommerce; stricter compliance to regulatory measures; enabling free and informed choice (for consumers); and determining responsibilities of ecommerce entities. Quoting an unnamed senior official on August 20, news agency Press Trust of India (PTI) wrote that the proposed national e-commerce policy, being formulated by the commerce and industry ministry, was in the final stages of preparation and that no new draft would be issued seeking views of stakeholders.

